LOK SABHA DEBATES

VOL. XLIV FIRST DAY OF THE FOURTEENTH SESSION OF SEVENTH LOK SABHA NO. 1

LOK SABHA

Thursday, February 23, 1984/Phalguna 4, 1905 (Saka)

The Lok Sabha met at Thirty-five minutes past Twelve of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

MEMBERS SWORN

Shri Rizaq Ram (Sonepat)

Shri Banarsi Das (Bulandshahr)

Shri Pitamber Singh (Bettiah)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (नई दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, मेरा सुझाव है कि शोक संवेदना प्रस्ताव तत्काल इसके बाद ले लिया जाए और राष्ट्रपति का अभिभाषण बाद में रखा जाए। यह अभिभाषण बहुत विवाद का विषय बन गया है क्योंकि पंजाब के बारे में जो कुछ कहा गया है, वह नितान्त अपर्याप्त है।

अध्यक्ष महोदय : कल के बाद डिस्कशन है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : वैसे भी शोक प्रकटीकरण पहले होता और बाकी की कार्यवाही बाद में होनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : रूल्स में लिखा हुआ है, इसलिए करते हैं।

...(**व्यवधान**)

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री (सैदपुर) : हम लोगों का आपसे आग्रह है।...(**व्यवधान**)

अध्यक्ष महोदय : सारा हाऊस कहे तो कर सकते हैं। रूल्स आपने बनाए हैं। मैंने नहीं बनाये है।

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री : पंजाब में क्या हो रहा है? पंजाब पर शोक क्यों नहीं कर लेते हैं।...(**व्यवधान**)

श्री मनीराम बागड़ी (हिसार) : अध्यक्ष जी, कायदे-कानून काम को चलाने के लिए होते है। आप शोक प्रस्ताव के बाद ले सकते है।...(**व्यवधान**)

अध्यक्ष महोदय : सारा हाऊस कहे तो मान सकते हैं।

According to Rules President's Address to both Houses of Parliament to be laid—that is the second. First is the oath of affirmation and third is obituary references.

PROF. MADHU DANDAVATE (Rajapur) : About the Order Paper I have one suggestion—that when you make the obituary references, we should also pay homage to those who have been killed in Haryana and Punjab. That is my request to you. On that there should be no difference.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अगर आज के बाद पंजाब में लोग फिर मारे गए तो क्या कल फिर शोक प्रस्ताव होगा? प्रधान मंत्री सदन में खड़े होकर कहें कि किसी की वहां हत्या नही होने दी जाएगी?

अध्यक्ष महोदय : प्रधान मंत्री कब चाहती है?